**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1127**

**20.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**त्रिकोणीय राजमार्ग परियोजना की स्‍थिति**

**1127. श्री मोहम्मद अली खान:**

**श्री हुसैन दलवई:**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिकोणीय राजमार्ग पर कार्य को पूरा किए जाने के लक्ष्य सहित रूपरेखा का क्षेत्र-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) राजमार्ग को पूरा करने में क्‍या - क्‍या चुनौतियां पेश आ रही हैं;

(ग) इन चुनौतियों को दूर करने तथा राजमार्ग पर कार्य को समय पर पूरा करने हेतु मंत्रालय द्वारा क्‍या कदम उठाए जाएंगे और इस योजना की अनुमानित लागत का ब्यौरा क्‍या है;

(घ) मोटर वाहन समझौते पर हस्‍ताक्षर करने में म्यांमार और थाईलैंड की क्या–क्या चिंताएं हैं; और

(ड.) मंत्रालय उन चिंताओं को किस प्रकार दूर करने पर विचार कर रहा है?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[जनरल(डा.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)]**

(क) 1360 किमी लंबा भारत-म्यांमार-थाइलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग भारत, म्यांमार और थाईलैंड से संबंधित पहल है। यह मणिपुर में मोरेह से म्यांमार के रास्ते थाइलैंड में मए सॉत तक जाता है। भारत इस त्रिपक्षीय राजमार्ग के दो खंडों अर्थात, (i)म्यांमार में कलेवा- याग्यी सड़क खंड का निर्माण; तथा (ii) म्यांमार में तमु-कियोन-कलेवा (टीकेके) सड़क पर 69 पुलों के निर्माण का कार्य देख रहा है। इन दोनों खंड़ों पर अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण मोड पर कार्य सौंप गया है और कलेवा-याग्यी खंड का कार्य मई. 2018 तथा टीकेके खंड का कार्य नवंबर, 2017 से चालू है। संविदाकार परियोजना स्थल पर मौजूद है। दोनों परियोजनाओं के पूरा होने की निर्धारित समय-सीमा निष्पादन एजेंसी द्वारा परियोजना स्थल पर काम आंरभ होने की तारीख से तीन वर्षों की है।

(ख) और (ग) दोनों परियोजनाएं संबंधित निष्पादन एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित की जा रही हैं। टीकेके खंड पर 69 पुलों के निर्माण का कार्य निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रहा है। दोनों परियोजनाओं के सीधे पर्यवेक्षण और मानीटरण के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता/तकनीकी निष्पादन एजेंसी की नियुक्ति की गई है जिनके अपने कार्मिक परियोजना स्थल पर विद्यमान रहते हैं। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा म्यांमार स्थित हमारे मिशन के माध्यम से परियोजना की प्रगति की गहन व आवधिक निगरानी की जाती है। कलेवा-याग्यी परियोजना की अनुमानित लागत 1459.29 करोड़ रुपए तथा टीकेके सड़क परियोजना पर 69 पुलों के लिए अनुमानित लागत 371.58 करोड़ रुपए है।

(घ) एवं (ङ) भारत, म्यांमार और थाइलैंड के बीच कार्गों एवं यात्री वाहनों की आवाजाही को विनियमित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोटोकॉलों सहित एक मोटर वाहन करार पर अंतर-सरकारी बातचीत चल रही है। म्यांमार सरकार ने सूचित किया है कि वे अन्य देशों के साथ समान व्यवस्था के कार्यान्वयन की व्यापक समीक्षा करने के बाद इस संबंध में आगे बढ़ेंगे।

\*\*\*\*\*